बृहस्पतिवार 23.04.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने स्वास्थ्य सेवाओं को सीमांत क्षेत्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि चार धाम यात्रा की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।
- पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों से 'अतिथि देवो भवः' की भावना से कार्य करने का आह्वान किया।
- पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख दर्रे से भारत–चीन व्यापार फिर से शुरू होने की तैयारियां तेज हो गई हैं।

दीक्षांत समारोह

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाएं केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों तक भी पहुंचनी चाहिए। वे आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने एम्स ऋषिकेश की टेलीमेडिसिन पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को पहाड़, दूरी और मौसम जैसी चुनौतियों को पार करते हुए आम लोगों तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने उत्तराखंड के दूरस्थ इलाकों और चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं तक आपातकालीन दवाओं के वितरण के लिए ड्रोन के उपयोग को भी सराहनीय बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले एक दशक में देशभर में नए एम्स संस्थानों की स्थापना से वंचित क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा की पहुंच मजबूत हुई है।

चार धाम यात्रा

चमोली ज़िले में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट आज सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक ढंग से श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। कपाट खुलने के अवसर पर देशभर से हजारों श्रद्धालु धाम में मौजूद रहे। इसके साथ ही उत्तराखंड के चारों धाम अब श्रद्धालुओं के लिए खुल गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट संदेश में कहा है कि प्रदेश की आस्था, श्रद्धा एवं चार धाम यात्रा की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य सरकार का कहना है कि चार धाम यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाएं पूर्णतः सुचारू हैं और श्रद्धालुओं को व्यवस्थित रूप से दर्शन कराए जा रहे हैं। किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना, अफवाह या दुष्प्रचार को शून्य सहनशीलता के तहत लिया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की 24×7 निगरानी की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नई व्यवस्था

रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर पशु चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए नई व्यवस्थाओं की शुरुआत की गई है। गौरीकुंड, बड़ी लिनचोली और रुद्रा प्वाइंट पर बने पशु चिकित्सालयों, कर्मचारियों के आवासीय भवनों और घोड़े–खच्चरों के लिए शेड का आज पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। इस व्यवस्था का उद्देश्य यात्रा मार्ग पर उपयोग में आने वाले अश्व वंशीय पशुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और विश्राम स्थल उपलब्ध कराना है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत ने बताया कि इन व्यवस्थाओं से विभागीय कर्मचारियों को आवासीय सुविधा मिलने के साथ यात्रा अवधि में सेवाएं देने में आसानी होगी।

प्लास्टिक वेस्ट निस्तारण

उत्तरकाशी में चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन ने यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की है। प्रशासन ने यात्रा के दौरान स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए प्लास्टिक वेस्ट के निस्तारण के लिए क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था लागू की है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्या ने बताया कि इसके तहत श्रद्धालु दुकानों पर प्लास्टिक कचरा जमा कर निर्धारित राशि वापस प्राप्त कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से धामों की स्वच्छता बनाए रखने और धार्मिक स्थलों की गरिमा का ध्यान रखने की अपील की है। साथ ही उन्होंने देवभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हुए अन्य लोगों को भी यहां आने के लिए प्रेरित करने को कहा है।

केंद्रीय माध्यामिक शिक्षा बोर्ड

केंद्रीय माध्यामिक शिक्षा बोर्ड–सीबीएसई दसवीं परीक्षा 2026 का दूसरा चरण 15 मई से आयोजित करेगा। यह परीक्षा वैकल्पिक है और जो विद्यार्थी पहले चरण में प्राप्त अपने अंक सुधारना चाहते हैं वे इसे दे सकते हैं। सभी उत्तीर्ण विद्यार्थी विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किन्ही तीन विषयों में अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए परीक्षा दे सकते हैं। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है। इसका उद्देश्य एक शैक्षणिक वर्ष में विद्यार्थियों को दूसरा अवसर देकर परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करना है।

आह्वान

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों से 'अतिथि देवो भवः' की भावना से कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्री ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और प्लास्टिक, कचरा व शोर–शराबे से बचें। साथ ही होटल, ढाबों और स्थानीय लोगों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखने का आह्वान भी किया गया है। सतपाल महाराज ने यात्रियों को पंजीकरण कराने, मौसम और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने तथा यात्रा के दौरान पर्याप्त विश्राम करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा सभी की साझा जिम्मेदारी है और इसके सफल संचालन के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

तैयारियां

पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख दर्रे से भारत–चीन व्यापार फिर से शुरू होने की तैयारियां तेज हो गई हैं। एक जून से व्यापार शुरु होगा। करीब छह साल बाद व्यापार बहाल होने की संभावना से सीमांत क्षेत्र के व्यापारियों में उत्साह है और बाजारों में रौनक लौटने की उम्मीद जताई जा रही है। जिलाधिकारी ने आज कस्टम, सेना, पुलिस, आईटीबीपी और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने गूंजी में कस्टम कार्यालय स्थापित करने और ट्रेड पास बनाने सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में व्यापारियों ने भी अपने सुझाव प्रशासन के सामने रखे। व्यापारियों का कहना है कि लिपुलेख तक सड़क निर्माण पूरा होने के बाद पहली बार वे अपने सामान को सीधे वाहनों के जरिए चीन सीमा तक ले जा सकेंगे। गौरतलब है कि कोविड–19 सहित विभिन्न कारणों से वर्ष 2019 से यह व्यापार बंद था। अब इसके फिर से शुरू होने से सीमांत क्षेत्रों में विकास और रोजगार के नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

राजकीय क्रांति दिवस मेला

पौड़ी गढ़वाल के थलीसैंण विकासखंड स्थित पीठसैंण में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की स्मृति में आयोजित राजकीय क्रांति दिवस मेला भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मेले में दूर–दराज के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और पूरे क्षेत्र में देशभक्ति और लोक संस्कृति का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। मेले में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें लाभ भी दिया गया। साथ ही चिकित्सा शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और दवा वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

हादसा

टिहरी जिले के चंबा–कोटी नैल मार्ग पर एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन में 10लोग सवार थे, जिनमें से 8 लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि 2 लोग घायल हैं। जिनको एसडीआरएफ और पुलिस ने रेस्क्यू कर जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री धामी ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को त्वरित एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रहने दी जाए।